Raj Express (Indore), 25th April 2025, Page-02

तकनीकी पहल इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में 27 अप्रैल को होगा भव्य आयोजन, जुटेंगे देश-दुनिया के टेक-दिग्गज

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में निवेश के लिए मिलेगा सुनहरा अवसर

भोपाल / प्रशासनिक संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर होगा। यह कॉन्क्लेव डिजिटल भारत की दिशा में मप्र की अग्रणी भूमिका को सुनिश्चित कर प्रदेश को वैश्विक नवाचार मानचित्र पर प्रदान करेगी।

राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इस कॉन्क्लेव का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है। यह आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे। मुख्यमंत्री कॉन्क्लेव में शामिल अतिथि टेक-दिग्गजों और निवेशकों को प्रदेश के तकनीकी और डिजिटल नवाचार और उससे संबंधित आर्थिक दृष्टिकोण से

परिचित कराएंगे। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग संजय दुबे ने बताया कि कॉन्क्लेव राज्य सरकार का दृष्टिकोण समझाने के साथ ही इसके ठोस क्रियान्वयन का प्रतीक है। सरकार ने मुख्यमंत्री के निर्देशन में 2 माह में ही कई परियोजनाओं का भूमिपूजन और आईटी इकाइयों के लिए आवंटन पत्र जारी कर दिए हैं।

उद्योग सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

इंदौर के भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन जैसे शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता से अकादमिक-उद्योग सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में 'नीतिगत घोषणाएं, एमपीएसईडीसी' कॉफी टेबल बुक का विमोचन और ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स, सेमीकंडक्टर्स, कॉमिक्स और एक्टेन्डेड रियलिटी और ड्रोन्स से संबंधित नीति-निर्देश जारी किए जाएंगे। कॉन्क्लेव में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इनक्यूबेशन हब, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर नोड्स, नए आईटी पार्क, स्किल डेवलपमेंट सेंटर और स्टार्ट-अप इनक्यूबेटर का शिलान्यास किया जाएगा।

इन कंपनियों की रहेगी भागीदारी

कॉन्क्लेव में गूगल, माइक्रोसोफ्ट, एनवीडिया, सीमेन्स-ईडीए, एएनएसआर, थोलोन्स, योट्टा, सीटीआरएलएस डाटा सेंटर्स, रैकबैंक, नेटलिंक, इफोबीन्स, डेटा इंजीनियस ग्लोबल, केन्स टेक्नोलॉजी, एचएलबीएस टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), पंचशील रियल्टी, एंबर एंटरप्राइज़ेंस, केदारा कैपिटल, बॉस्टन इंडिया, प्राइमस पार्टनर्स, वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडियां और कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन (केडीईएम) समेत अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टेक कंपनियों की भागीदारी होगी। साथ ही मप्र की अग्रणी आईटी एवं स्टार्ट-अप कंपनियां जैसे इंपेटस टेक्नोलॉजीज, अपोइंटी और यश टेक्नोलॉजीज भी इस आयोजन में शामिल होंगी। इस कॉन्क्लेव में एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्टेन्डेड रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) उद्योग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस आयोजन में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) एवीजी समिति, क्रेजी एनिमेसन्स स्टूडियो, पर्पल टर्टल, एबीएआई, कायरा एनिमेशन्स और सेंटर फॉर एंटरटेनमेंटआर्ट्स जैसी संस्थाएं भी इस कॉन्क्लेव में हिस्सा लेने वाली हैं।

राउंड टेबल मीटिंग में रणनीति साझेदारी पर होगा संवाद

सुबह सेक्टोरल राउंड-टेबल्स में जीसीसी, आईटी, आईटीईस, सेमीकंडक्टर्स, ड्रोन्स और एवीजीस-एक्सआर पर चर्चा होगी। इसमें उद्योग जगत और सरकारी अधिकारी रणनीतिक साझेदारी पर संवाद करेंगे।

प्रमुख उद्योगपतियों से वन ऑन-वन होगी मीटिंग

दोपहर बाद मुख्यमंत्री और प्रमुख उद्योगपतियों के बीच वन-ऑन-वन मीटिंग्स होंगी ताकि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति और परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

प्रोत्साहन पोर्टल का होगा शुभारंभ

राज्य सरकार के एकीकृत प्रोत्साहन पोर्टल का शुभारंभ भी किया जाएगा जो सभी निवेश परियोजनाओं के लिए रियलटाइम अपडेट और सिंगल विंडो सुविधा प्रदान करेगा।